VOITH

Voith AG
Heidenheim

Corporate Press Office
Markus Woehl
P. O. Box 2000
89510 Heidenheim / Germany
Tel +49 7321 37-2219
Fax +49 7321 37-7107
Mobile +49 173 300 8392

Press Information

VZ 005

Date 2003-11

पन बिजली एक नजर में

- पन बिजली सर्वश्रेष्ठ विकसित अक्षय ऊर्जा है जिसपर सबसे ज्यादा अनुसंधान हुआ है। दुनिया भर में हर जगह पन बिजली केंद्र भरोसे के साथ सुरक्षित ढंग से काम कर रहे हैं और पर्यावरण पर इसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं है।

- दुनिया भर में उत्पादित बिजली का लगभग २०ऽ पन बिजली केंद्रों से आता है। इसका मतलब यह हुआ कि इस समय पन बिजली एकमात्र अक्षय ऊर्जा स्रोत है जो दुनिया भर में बिजली उत्पादन के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान करता है। यह मानना वाजिब नहीं है कि निकट भविष्य में ऊर्जा का कोई और स्रोत यथा पवन चक्की, सौर ऊर्जा या बायोमास परिमाण के हिसाब से पन बिजली की टक्कर में आ सकेगा या इस टक्कर में कोई भूमिका निभा सकेगा।

- चीन या भारत जैसे देश को आर्थिक विकास के लिए आवश्यक ऊर्जा मुहैया कराने के लिए ऊर्जा केंद्रों की भारी क्षमताओं की स्थापना करनी होगी। यहां पन बिजली की उपयोगिता से इनकार नहीं किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, २००९ में पूर्ण होने के बाद यांगस्टे नदी पर इस समय बन रहे तीन गोर्ग्स पावर स्टेशन दुनिया के सबसे बड़े पन बिजली ऊर्जा केंद्र होंगे। इनसे लगभग १८,२०० मेगावाट बिजली मिलेगी और यह चीन की अतिरिक्त वार्षिक विद्युत आवश्यकता से थोड़ा ही ज्यादा है। सच तो यह है कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा के मेल में पन बिजली का हिस्सा अगर और कम हुआ तो दुनिया भर में कार्बन डायऑक्साइड के उत्सर्जन से संबंधित पहले से ही खराब स्थिति और खराब होगी।

- कार्बन डायऑक्साइड के उत्सर्जन के नजरिए से थर्मल ऊर्जा के मुकाबले पन बिजली के लाभ स्पष्ट हैं। हालांकि, पन बिजली अन्य अक्षय उर्जा स्रोतों के मुकाबले भी बेहतर है। निर्माण और परिचालन के आवश्यक ऊर्जा और तैयार की जाने वाली बिजली का अनुपात पन बिजली केंद्रों के लिए ज्यादा अनुकूल है। पंप स्टोरेज प्लांट के लिए यह २५०:१ है और नदी पर बनने वाले बिजली केंद्रों के मामले में यह १७०:१ है। इसकी तुलना में छोटे पवन चक्की केंद्रों का अनुपात लगभग ३०:१ है जबकि फोटो वोलटैक प्लांट के मामले में यह ३:१ और १०:१ के बीच है।

- आधुनिक टरबाइन की कार्यकुशलता ९०ऽ से ज्यादा है और ये ऊर्जा पैदा करने वाले किसी भी अन्य उपकरण के मुकाबले ज्यादा प्रभावी हैं।

- ऊर्जा उत्पादन के अलावा पन बिजली के परंपरागत लाभ हैं। इनमें पेय जल की आपूर्ति, सिंचाई और खेती के कामों के लिए आपूर्ति व बाढ़ नियंत्रण शामिल है।

- पर्यावरण के अनुकूल उर्जा की इस किस्म को और आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक है कि पन बिजली के हक में स्पष्ट राजनैतिक संकेत दिए जाएं। इस समय ऐसा नहीं है और इसके उलट कई देशों में ऐसे कानून हैं जो ऊर्जा के अन्य स्रोतों के मुकाबले पन बिजली की संपूर्ण स्थिति को गंभीर बना देते हैं।

मीडिया से संबंधित पूछताछ के लिए :

वोइथ एजी
कारपोरेट प्रेस ऑफिस
मरकस वोइहल
फोन : +४९ ७३२१ ३७-२२१९ फैक्स : +४९ ७३२१ ३७-७१०७
ई मेल : markus.woehl@voith.com
www.voith.com